



प्राणी का प्राणिक पत्र अप्राणिकी संस्था के आभार  
 पर स्वागत किन्ने जाने के आदेश दिए जाते हैं तथा  
 महलीदार दुगा को आदेश दिए जाते हैं कि प्राणिक  
 पत्र के संलग्न नम्बरों में वर्णित वापदास्त अराजी  
 खसरा नं० 1445/2 रकबा 0.85 हेक्टेयर ग्राम  
 दुगा परवार हलका दुगा मं. अं. निवासी दुगा महली  
 दुगा जिला जयपुर में स्थित प्राणिक पत्र के संलग्न  
 नम्बरों में लाल हमाही से अर्जित रास्ता जो मकान पर  
 निर्मित है लेकिन राजस्व नम्बरों में अर्जित नहीं है उसे  
 राजस्व नम्बरों में अर्जित किया जावे तथा प्रथम से खसरा  
 नं० दिया जावे तथा रास्ते को खातेदार को खातेदारी में  
 फिस्म और कुम्हिल रास्ता के रूप में दर्ज किया जावे  
 उपरोक्ता उसाह महलीदार दुगा को लिखा जावे पनाकला  
 जसल कुमार होकर दर्ज नम्बर से काम होने पर वापदास्त  
 देकर लें।

527  
 23/07/2024  
 महलीदार  
 दुगा को  
 लिखी जा रही

26  
 उप खण्ड अधिकारी  
 बस्सी (जिला जयपुर)